

इप्सा जैन से गुफ्तगू



विज्ञान में कैरियर केवल पारंपरिक भूमिका निभाने तक सीमित नहीं रहे। इस खास परिवर्तन की वजह वे विज्ञान पेशेवर हैं जो इस अनोखे मार्ग को चुनना पसंद करते हैं।

ऐसे ही एक पेशा है - विज्ञान चित्रण - जिसकी बढ़ती दृश्यता को प्रोत्साहन देने में इप्सा जैन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। खासकर ऐसे लोगों के लिए जो विज्ञान चित्रकारी (science illustration) में बहुत रुचि रखते हैं। इस बातचीत में, वह अपनी प्रेरणाओं का जिक्र करेंगी, उनके काम और खासकर उन गलतफहमियों पर चर्चा करेंगी जो दुर्भाग्यपूर्ण अभी भी इस पेशे से जुड़े हुए हैं।

१. आपने विज्ञान चित्रण को करियर के रूप में चुनने का निर्णय कब लिया ?

अपने विद्या वाचस्पति (Ph.D.) के आखिरी दौर में, यह तो निश्चित था की मैं बेन्च पर और नहीं बैठ सकती। इसके तुरंत बाद, मैंने प्राकृतिक इतिहास से प्रेरित चित्र बनाने शुरू किये और देखते ही देखते यह खोज एक सार्थक कैरियर में बदल गया। यह सब केवल ख्यालों के प्रतिबिंब में समझ में आता है।

२. विज्ञान चित्रकार की जिन्दगी का एक सामान्य दिन कैसा होता है?

मैं आपको अपनी प्रक्रिया समझाऊँगी, दिन भर में अनेक प्रक्रियाएँ होती हैं और यह निर्भर करता है की एक साथ कितने परियोजनाएँ चल रहीं हैं। एक फ्रीलांसर के तहद, हमारा वक्त ग्राहक / सहयोगी के काम पर आधारित होता है। कभी-कभी ग्राहक / सहयोगी के साथ व्यक्तिगत रूप में या ऑनलाइन चर्चा किया जाता है।

कोई भी परियोजना के लिए अनुसंधान जरूरी है, जिसमें विज्ञान अनुसंधान के साथ-साथ 'दृश्य अनुसंधान' भी आवश्यक होता है। फिर, एक दस्ता (draft) तैयार करके ग्राहक / सहयोगी को दिखाया जाता है। इस सारे प्रक्रिया में काफी समय लगता है और इसी दौरान दिमाग के स्नायु कोशिकाओं का सबसे ज्यादा उपयोग होता है!

परियोजना के माप या विचारों की गंभीरता के आधार पर यह कार्य 2 दिन से 2 सप्ताह तक हो सकता है। ग्राहक / सहयोगी अपनी सुझाव देते हैं और फिर दस्ता में परिवर्तन किये जाते हैं। ऐसे ही आगे पीछे होते होते, इस कार्य को अंतिम रूप मिलता है।

प्रदर्शनी और वर्कशॉप्स के लिए (CoVID महामारी से पूर्व) काफी सफ़र करना होता है। दिन भर ईमेल / कॉल और सोशल मीडिया पर उपस्थित रहना होता है और यदि खुद के लिए वक्त मिल जाए तो मैं निजी काम करती हूँ, जो विज्ञान की कहानियाँ हो भी सकती हैं या नहीं भी।

३. आपने देश भर के कई संस्थानों में विज्ञान चित्रण कार्यशालाएँ आयोजित की हैं, इन सब में सहभागियों के साथ काम करके क्या प्रमुख सीख मिलती हैं ?

लोगों को कई गलतफहमियाँ हैं। जैसे की,

कोई सोचता है कि विज्ञान के चित्रण केवल मॉडल और आरेख (जो पीयर- रिव्यू जर्नल में होते हैं) तक ही सीमित रहते हैं। दूसरी बात लोग सोचते हैं की सॉफ्टवेर सीखने से समस्या का हल मिल जाता है।

इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि वैज्ञानिक छवियों और उनकी भूमिका के प्रति लोगों को कितनी कम समझ है। मैं खुशनसीब हूँ कि इन सत्रों में भाग लेने वाले ज्यादातर लोग ऐसे हैं जिनके विचार

आज़ाद है और उम्मीद है कि वैज्ञानिक चित्र कैसे होते हैं, कैसे हो सकते हैं और कैसे होने चाहिए इसका महत्व लोगों को पता चले। मेरे नज़रिये में, एक विज्ञान चित्रकार क्या करना चाहता है, उन्हें क्या करने की जरूरत है और किसके लिए कार्य करना है - यह सीखना ज्यादा महत्वपूर्ण है। आपकी कुशलता तो अपने आप बेहतर होती जाएगी।

एक अन्य प्रमुख गलतफहमी है कि 'आदर्श' अचूकता और सूचना अधिभार (information overload) की अपेक्षा होती है। ऐसे ग़लत अवधारणाओं को चुनौती देने में मुझे खास दिलचस्पी है। गतिविधियों के दौरान, सहभागी को चित्र के स्पष्टता और विवरण में संतुलन लाना कठिन लगता है। उम्मीद है कि विज्ञान चित्रण के निर्माण में जो सावधानी और सोद्देश्य की जरूरत है, लोग इसका महत्व जाने।

४. विज्ञान चित्रण के क्षेत्र में अच्छा करने की चाह रखने वाले लोगों के लिए आपकी क्या सलाह है?

मैं आजकल इस पर काफी सलाह बाँटती हूँ!

कम से कम 20 रेखाचित्र (ड्राइंग) का एक पोर्टफोलियो बनाएँ जो आपके अनेक रुचि और कारीगरी के माध्यम को दर्शाते हो। कहानियों और रेखाचित्रों की शोध पर समय बिताएँ और निरंतर प्रयास करें। समय के साथ आपकी शैली भी उभर कर आएगी।

ऑनलाइन पर चित्र देखें और अभ्यास के लिए उन्हें दोहराएँ। (इस तरह के प्रतिकृति को कॉपीराइट या बेचने की अनुमति नहीं होगी। मूल कार्य को उचित श्रेय देकर ऑनलाइन साझा करें।)

डिजिटल साधन जानने की आवश्यकता नहीं है। शुरुआत में, हाथ से बने रेखाचित्र भी अनमोल होते हैं। ऐसे अभ्यास से चित्र निर्माण की संकल्पना का एहसास होगा। आपके काम को ऑनलाइन साझा करने से प्रतिक्रिया मिलती है और साथ-साथ दृश्यता बढ़ती है जिससे संभावित ग्राहकों से परिचय हो सकता है।

[इप्सा जैन का साक्षात्कार अनुशीला चटर्जी ने किया था।]

Translation: D. Chandrika

Review: Brijesh Kumar Patel